

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

Central University of Himachal Pradesh

(Accredited by NAAC with 'A+' Grade with CGPA of 3.42)

(पादप विज्ञान विभाग / Department of Plant Sciences)

शाहपुर परिसर, जिला काँगड़ा, हिमाचल प्रदेश -176206



प्रेस विज्ञप्ति

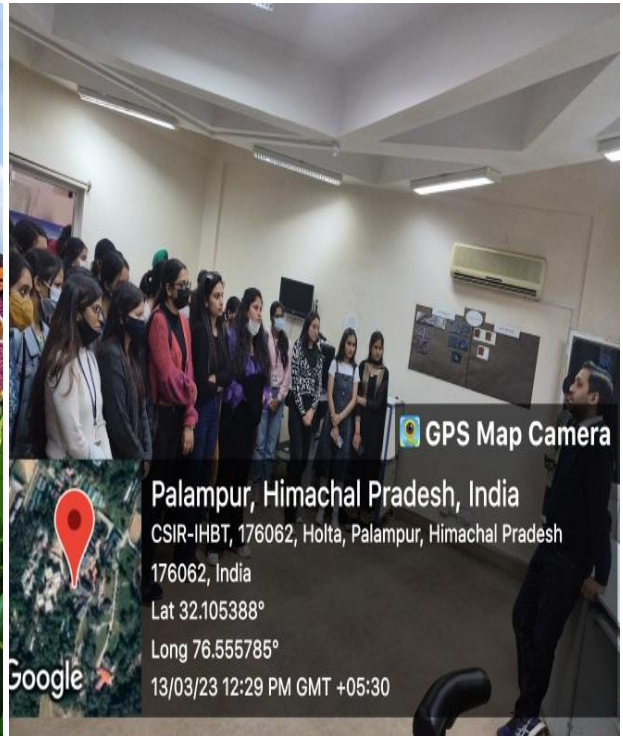
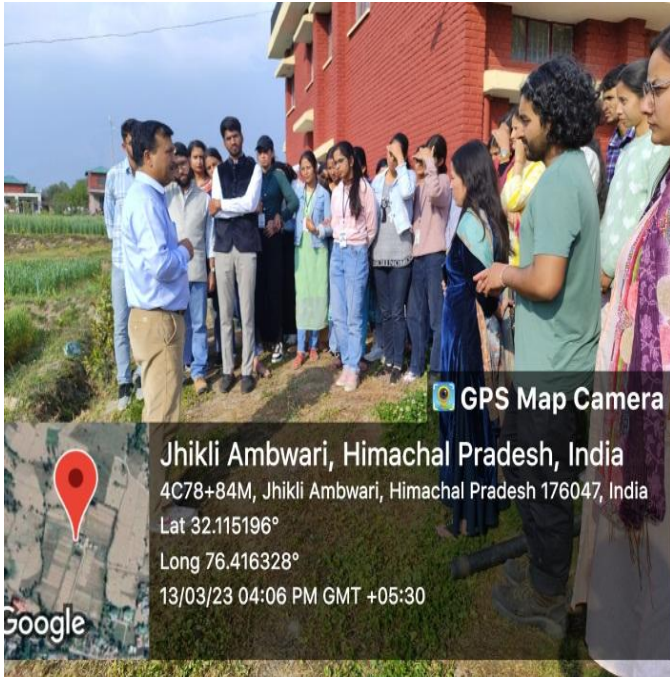
वैद्य सुषेण क्लब, पादप विज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर परिसर द्वारा 13 मार्च को 2023 वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद -हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, CSIR-IHBT), पालमपुर और चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय चावल और गेहूं अनुसंधान केंद्र, मलां के लिए एकदिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का आयोजन प्रोफेसर प्रदीप कुमार, प्रमुख, पादप विज्ञान विभाग, अधिष्ठाता, जीव विज्ञान स्कूल और अधिष्ठाता अकादमिक के मार्गदर्शन में किया गया था। पादप विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य डॉ.अशुन चौधरी, सचिन उपमन्यु व डॉ. ., शोधार्थी एवं स्नातकोत्तर छात्र मौजूद थे। डॉ.गिरीश नड्डा ., प्रधान वैज्ञानिक द्वारा संस्थान में छात्रों के लिए सभी सुविधाएं मुहैया कराईं और उनके सहयोगियों द्वारा छात्रों को संस्थान का भ्रमण कराया गया। उन्होंने छात्रों को हिमालयी जैव संसाधनों-और आधुनिक जीव विज्ञान के विभिन्न उन्नत अनुसंधान पहलुओं के बारे में जानकारी दी। छात्रों को दो समूहों में विभाजित किया गया और उन्हें टिशू कल्चर प्रयोगशाला, GIS प्रयोगशाला और जैव विविधता प्रभाग का दौरा कराया गया। सभी विभागों में लगे वैज्ञानिकों ने उन्हें संबोधित किया। टिशू कल्चर लैब में छात्रों को औषधीय पौधा *Picorhiza kurrora* के संवर्धन (Culturing) के बारे में बताया गया यह पौधा 10, 000 फीट की ऊंचाई पर उगता है और लुप्तप्राय पौधा है। इसके उच्च औषधीय महत्व के कारण, इसे टिशू कल्चर तकनीक का उपयोग करके संवर्धित किया जाता है। संस्थान फार्मास्युटिकल उद्योग के लिए महत्वपूर्ण औषधीय और सुगंधित पौधों के लिए डिजाइन और प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी-और पूर्ण उत्पादन पैकेज जारी करने का कार्य करता है। सीएसआईआरआईएचबीटी पालमपुर द्वारा की गई उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक - हाल ही में खोला गया ट्यूलिप गार्डन है। पालमपुर को भारत के 'ट्यूलिप शहर' के रूप में बढ़ावा देने के प्रयास में विभिन्न रंगों के लगभग 40, 000 ट्यूलिप बल्ब लगाए गए थे। फूल अपने चरम पर खिल रहे हैं और जगह को अवश्य देखना चाहिए। यह स्थान आम जनता के लिए खुला है।

इसके बाद छात्रों ने सी.एस.के. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय चावल और गेहूं अनुसंधान केंद्र, मलां, जहां उनका मार्गदर्शन प्लांटब्रीडर डॉ. विजय राणा ने किया। छात्रों ने गेहूं की फसल की विभिन्न किस्मों, जननद्रव्य के रखरखाव और उनकी आनुवंशिक स्थिरता के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। उन्हें फसल में स्वपरागण व परपरागण की क्रियाविधि के बारे में बताया गया। डॉ. सचिन उपमन्यु ने मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में गेहूं की फसल में लगने वाले रोग के बारे में विद्यार्थियों को बताया। दो मुख्य रोग खस्ता फफूंदी और पीला रतुआ थे। विद्यार्थियों को पत्तियों पर रोग के लक्षण दिखाई गये।

भ्रमण का मुख्य उद्देश्य संस्थान में चल रहे शोध कार्यों के विभिन्न पहलुओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करना एवं अनुसंधान संबंधी कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए युवा मन को तैयार करना था। वैज्ञानिकों ने छात्रों से

बातचीत की और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कुल मिलाकर, आयोजित भ्रमण छात्रों के लिए अत्यधिक लाभदायक रहा। सभी छात्रों एवं शोधार्थियों ने संस्थान का दौरा करने की अनुमति के लिए अधिकारियों को धन्यवाद दिया।







धर्मशाला। वैद्य सुषेण क्लब, पादप विज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर परिसर की ओर से की ओर से शोधार्थियों और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस संबंध में विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार

शोध कार्यों के विभिन्न पहलुओं से रू-ब-रू हुए शोधार्थी



धर्मशाला : शैक्षणिक भ्रमण के दौरान फील्ड में जानकारी हासिल करते हुए विद्यार्थी। (ब्यूरो)

धर्मशाला, 14 मार्च (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय शाहपुर परिसर की ओर से वैद्य सुषेण क्लब पादप विज्ञान विभाग द्वारा शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। उन्होंने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्था सी.एस.आई.आर.-

विद्यार्थ्या न आइएचवाटा पालमपुर का भ्रमण किया



शैक्षणिक भ्रमण के दौरान पालमपुर परिसर में शोधार्थियों और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

से रू-ब-रू हुए शोधार्थी



शैक्षणिक भ्रमण के दौरान पालमपुर परिसर में शोधार्थियों और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

सीएसआईआर-आईएचवाटा, कृषि विधि दाखल-गैहू अनुसंधान केंद्र, मर्ला का क्लब घेरा

पालमपुर में शोधार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। शोधार्थी और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

भ्रमण के विभिन्न पहलुओं से रू-ब-रू हुए श

शोधार्थी और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। शोधार्थी और स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

You, Pardeep Kumar, Aman Kumar Rana and 11 others

1 comment 2 shares

Signature
विभागाध्यक्ष, पादप विज्ञान विभाग
Head, Department of Plant Sciences
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला
Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala
PO Box: 21, Dharamshala, Himachal Pradesh - 176215

DEPARTMENT OF PLANT SCIENCES

Report on the Extension/ Public Outreach Activity organized on 20.10.2023

Vaidya Sushen Club, Department of Plant Sciences, School of Life Sciences organized a one-day field trip under public outreach program on 20.10.2023. Students and Research Scholars of the Department of Plant Sciences actively participated in this event. The team started from the campus at 10:00 am. Dr. Sachin Upmanyu, Head of the Department led the team and was accompanied by the faculties of the Department including Dr. Harsharan Singh, Dr. Munish Sharma and Dr. Ashun Chaudhary.

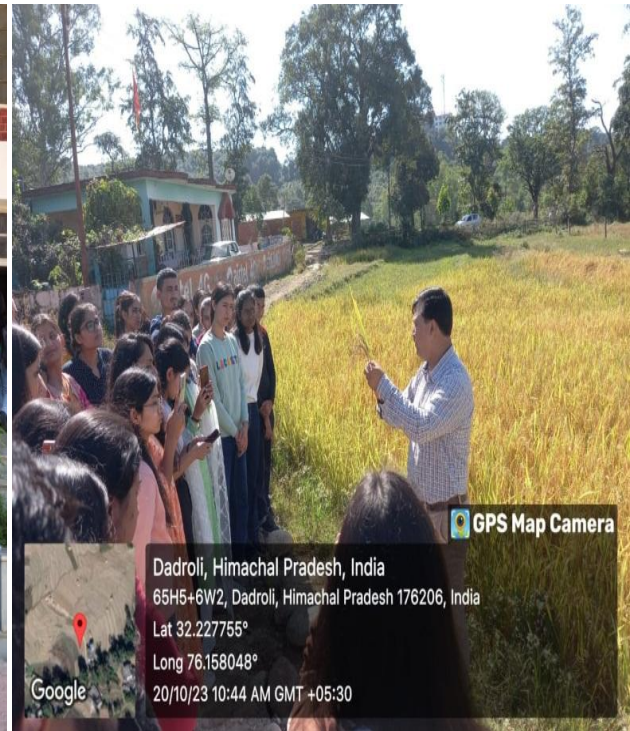
The program aimed at the introduction of local flora to the students along with agricultural practices with special reference to the identification of paddy diseases as well as their management practices. The event became a venue for the students to interact with local community including farmers.

The team visited local paddy fields of Dadroli village near Shahpur campus. During the excursion, Dr. Sachin Upmanyu, apprised the students about the etymology of common diseases of the local crops like paddy. During his conversation with the local farmers, he suggested them to procure the seed of resistant varieties which would enable them to save money on the costly chemicals commonly used for disease control.

During the study visit, Dr. Ashun Chaudhary explained about the local medicinal plants and their characteristics including their relevance in indigenous knowledge systems to students. Research scholars of the department were also told to collect their research samples from the field. Many of the scholars captured the pictures of the paddy fields, infected samples along with farmers' interaction.

Prof. (Dr.) Pardeep Kumar, Dean (Academics) conveyed his best wishes for the event and congratulated the department for organizing such field visit of the students which would help them to gain practical knowledge beyond the laboratory. Prof. (Dr.) Sunil Kumar, Dean, School of Life Sciences has shared his felicitation and praised the organizers of the program for their efforts to develop different learning experiences to the students.

All over the programme was a success. According to the student feedback, they were very happy with this visit and wanted to keenly participate in such outreach activities in future. They acknowledged that it was their first time experience in this way, as well. Half daylong event concluded at around 12.00 pm with light refreshments.





CUHimachal Jansampark

★ Favourites · 20 October 2023 · 🌐

...

धर्मशाला। वैद्यसुषेण क्लब, पादप विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की ओर से एक फील्ड ट्रिप, आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन में विभाग के छात्रों और शोधार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को खेती और कृषि पद्धतियों सहित स्थानीय वनस्पतियों से परिचित कराना रहा। इस कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों-शोधार्थियों ने कृषि की पद्धतियों के बारे में जाना साथ ही किसानों के साथ बातचीत भी की। इस मौके पर विभाग प्र... See more



GPS Map Camera

Dadroli, Himachal Pradesh, India
65H5+6W2, Dadroli, Himachal Pradesh 176206, India
Lat 32.227755°



GPS Map Camera

Dadroli, Himachal Pradesh, India
65F4+QF, Dadroli, Himachal Pradesh 176206, India
Lat 32.224324°



GPS Map Camera

Dadroli, Himachal Pradesh, India
65H5+6W2, Dadroli, Himachal Pradesh 176206, India
Lat 32.227995°


विभागाध्यक्ष, पादप विज्ञान विभाग
Head, Department of Plant Sciences
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला
Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala
PO Box: 21, Dharamshala, Himachal Pradesh - 176215